हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार 19 मई 2026

11 नहीं हो पा रहा इनटेक पूरा, जुई हुई बंद और सुंदर...

12 ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन ने दिया धरना...

सिंचाई विभाग के इंजीनियर एसोसिएशन के सदस्यों ने दिया धरना

साथी अधिकारी की बहाली की मांग को लेकर गरजे इंजीनियर

मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन रहेगा जारी

कनिष्ठ अभियंताओं के धरने पर बैठने से नहरों की निगरानी और जल आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका

भिवानी। मांगों को लेकर अधीक्षण अभियंता के कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे जेई। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

सिंचाई विभाग के दो कनिष्ठ अभियंताओं की बहाली की मांग को लेकर सोमवार को इंजीनियर एसोसिएशन के सदस्यों ने सिंचाई विभाग में अधीक्षक अभियंता कार्यालय के बाहर धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।

सोमवार सुबह दस बजे सिंचाई विभाग, पब्लिक हेल्थ, बीएंडआर तथा पंचायती राज विभाग के कनिष्ठ अभियंता धरने पर बैठ गए। धरने को संबोधित करते हुए डिप्लोमा इंजीनियरिंग एसोसिएशन भिवानी के जिला प्रधान संजय जैन ने बताया कि कैरु में सिंचाई विभाग द्वारा एक जलाशय का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। 8 मई को अधीक्षण अभियंता ओपी बिश्नोई (यमुना वॉटर सर्विसेज सर्कल भिवानी) ने एक विजिट की और वहां कुछ कमियां नोटिस की और एक सप्ताह में ठीक करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इनकी अनुपालना में संबंधित कनिष्ठ अभियंताओं की देखरेख में ठेकेदार ने कमियों को ठीक करना शुरू कर भी दिया था। मगर उसी दिन एसई ने दोनों जेई तथा संबंधित एसडीओ और कार्यकारी अभियंता की चार्जसीट के लिए मुख्यालय लिख दिया मगर मुख्यालय से 13 मई को दोनों कनिष्ठ अभियंताओं को सस्पेंड कर दिया गया। इस कड़ी में डिप्लोमा इंजीनियर एसोसिएशन 14 मई को बिश्नोई से मिली और दोनों जे ई के साथ हुए अन्याय के बारे में अवगत करवाया। कार्रवाई को वापस लेने के लिए सोमवार 18 मई तक का समय दिया था। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक दोनों अभियंताओं को बहाल नहीं किया जाता, आंदोलन जारी रहेगा। दूसरी तरफ इसके समर्थन में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा और पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन 41 से सोमवीर पालुवास जिला सचिव और संदीप सोरखी, राज्य सह सचिव और जन स्वास्थ्य विभाग से राजकुमार प्रधान ने भी समर्थन दिया है। इस अवसर पर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष संजय जैन (पब्लिक हेल्थ), उपाध्यक्ष गौरव तंवर (सिंचाई विभाग), कनिष्ठ अभियंता ब्रिजेश जावला, विजय जावला, महेंद्र सिंह, सचिन, निकेश, आशीष, अमित राठी, रविंद्र, नुकुल, राहुल, रमेश, हरिओम, रूपेश सहित अनेक इंजीनियर उपस्थित रहे। वर्तमान में जिले की नहरों में पानी चल रहा है तथा पब्लिक हेल्थ विभाग के जलघरों तक पेयजल पहुंचाया जा रहा है। कनिष्ठ अभियंताओं के धरने पर बैठने से नहरों की निगरानी और जल आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। गर्मी के मौसम में यदि जल आपूर्ति बाधित होती है तो आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा जिले में चल रहे विकास कार्यों और बाढ़ राहत कार्यों पर भी असर पड़ सकता है। लोगों का कहना है कि सरकार को मामले का शीघ्र समाधान निकालना चाहिए।

मिली थीं अनियमितताएं

सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता ओपी बिश्नोई ने बताया कि निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में कुछ मामूली अनियमितताएं पाई गई थीं।, जिसकी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई थी। उसी आधार पर दोनों कनिष्ठ अभियंताओं को निलंबित किया गया। अब उनकी बहाली की मांग को लेकर कर्मचारी धरने पर बैठे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यालय स्तर पर इस संबंध में बातचीत चल रही है और जल्द ही बहाली के आदेश आने की संभावना है।

भिवानी। मांगों को लेकर धरने पर बैठे कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ बिजली कर्मचारियों का फूटा गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर्स यूनियन की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को भिवानी में रेलवे स्टेशन के पास स्थित बिजली विभाग परिसर में आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश सरकार और निगम प्रबंधन की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ रोष जताया गया तथा 20 मई को अंबाला में बिजली मंत्री के आवास पर प्रस्तावित राज्यस्तरीय प्रदर्शन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक की अध्यक्षता सतीश, मनदीप और शमशेर ने संयुक्त रूप से की। सिटी यूनिट प्रधान रविंद्र यादव ने कहा कि बिजली कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर प्रदेश को रोशन रखते हैं, लेकिन उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। यूनियन नेताओं ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, चारों निगमों में रिस्क अलाउंस लागू करना, ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी पर रोक, एक्स-ग्रेसिया स्कीम की शर्तों में बदलाव, शैक्षणिक योग्यता का सरलीकरण और इंटर यूटिलिटी ट्रांसफर शामिल हैं। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। बैठक में सुखबीर, अभिषेक शर्मा, अमित, संदीप, सुनील, अनिल, अजीत, प्रीतम भाटी, दिनेश और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

नौकरी पर गए युवक से नहीं हो रहा संपर्क

लोहारू। धारूहेड़ा की कंपनी में काम करने वाले युवक से परिजनों का फोन से कोई संपर्क नहीं होने पर परिजनों ने लोहारू पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में लोहारू के वार्ड न. 10 निवासी दारा सिंह सैनी ने बताया कि उसका लड़का धारूहेड़ा की कंपनी में काम करता है तथा 7 मई को दो दिन की छुट्टी के बाद कंपनी में काम पर लौट गया था। उससे अंतिम बार 15 मई को सुबह फोन पर बातचीत हुई थी लेकिन उसके बाद उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा। लोहारू पुलिस ने शिकायत दर्ज करके युवक की तलाश शुरू कर दी है।

जांगिड़ ब्राहमण सभा की बैठक 20 को

बाढ़ड़ा। जांगिड़ ब्राहमण सभा बाढ़ड़ा की बैठक आगामी बुधवार 20 मई को सुबह 10 बजे जांगड़ा धर्मशाला बाढ़ड़ा में होगी, ये जानकारी संस्था सचिव रामपाल कारी ने दी। उन्होंने कहा कि बैठक में सामाजिक एकता, शिक्षा ,धर्मशाला में नवनिर्माण सहित विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर गहनता से विचार विमर्श किया जाएगा। संस्था प्रधान मनोज कुमार डूडीवाला और कोषाध्यक्ष वेदप्रकाश जांगड़ा ने समाज के प्रबुद्धजनों से आह्वान किया कि बैठक में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर अपने विचार प्रकट कर मार्गदर्शन करें।

पॉलीथिन के उपयोग पर लगाया जुर्माना

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व नगर परिषद भिवानी की टीम ने जेईई चंचल के नेतृत्व में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री एवं पॉलीथिन का उपयोग पर रोक लगाने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से शहर में विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया गया। इस दौरान हांसी गेट क्षेत्र में चार दुकानदारों के 12 हजार 500 रुपए के चालान काटे गए। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेंद्र अरोड़ा ने बताया कि शहर के प्रमुख स्थानों पर जागरूकता बैनर भी लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक सामग्री एवं पॉलीथिन का उपयोग पर्यावरण के लिए खतरा है। प्रदूषित पर्यावरण से हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने अभियान के दौरान दुकानदारों से अपील की है कि प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथिन का प्रयोग ना करें।

स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम ने अल्ट्रासाउंड केंद्रों का रिकॉर्ड खंगाला

महिला की आरसीएच आईडी को लिखना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

स्वास्थ्य विभाग की उन दंपतियों पर विशेष नजर है जिनकी पहली और दूसरी संतान लड़की है

डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले में लिंगानुपात में सुधारने को लेकर सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शॉडिल्य के मार्गदर्शन में विभाग ने विशेष टीमों का गठन किया है। जिनके द्वारा जिले के सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों तथा पीएनडीटी केन्द्रों की जांच का औचक निरीक्षण कर रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

सोमवार को पीसीपीएनडीटी टीम में नोडल ऑफिसर डॉ अन्नू चौधरी, डॉ. दीपक तथा हेल्थ इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद द्वारा शहर में दो अल्ट्रासाउंड केन्द्रों की जाच की गई, जिसमें देशवाल अल्ट्रासाउंड केन्द्र तथा जेबी गुप्ता नर्सिंग होम में अल्ट्रासाउंड केन्द्र शामिल हैं। जांच के दौरान संबधित रिकॉर्ड ठीक पाया गया। टीम के सदस्यों ने बताया जांच के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं के रिकॉर्ड को खंगाल रही हैं तथा सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों को सख्त निर्देश दिए कि गर्भवती महिला की पूरी डिटेल, उसका नाम, उसका पता, आधार कार्ड नंबर, फोन नंबर तथा आरसीएच आईडी अनिवार्य रूप से दर्ज हो। स्वास्थ्य विभाग की नजर उन सभी दंपतियों के ऊपर विशेष तौर पर है, जिनकी पहली संतान या दूसरी संतान लड़की है। महिला के पूर्व में कितने बच्चे हैं, इसका स्पष्ट उल्लेख लिखा जाए। यदि महिला की पहली संतान लड़की है तो उस केस पर विशेष निगरानी रखने हेतु और पीएनडीटी नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले के सभी अधिकृत एमटीपी सेंटर के द्वारा कोई भी 10 से 20 सप्ताह तक की गई एमटीपी के रिकॉर्ड में गर्भ के लिंग का उल्लेख करना सख्त जरूरी है। संबंधित केन्द्रों पर रजिस्टर में समस्त संबंधित रिकॉर्ड मेंटेन रखना होगा। यही नहीं एमटीपी रिकॉर्ड से संबंधित महिला की आरसीएच आईडी को लिखना होगा।

सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य ने बताया कि जिले में कम लिंग अनुपात वाली सीएचसी धनाना, सीएचसी जमालपुर तथा सीएचसी कैरू के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/इंचार्ज को शोकॉज नोटिस जारी किए गए हैं। कम लिंगानुपात का कारण तथा इसमे सुधार हेतु अगले दो महीने का रोडमैप मांगा गया है। जिले की सभी सीएचसी तथा पीएचसी प्रभारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि अपने-अपने क्षेत्र में लिंगानुपात में सुधार हेतु आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान में तेजी लाए।

ऑल रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन की मीटिंग कल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

■ सरकार के आश्वासनों से खफा रिटायर्ड कर्मचारी : श्योराण

ऑल रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन के जिला प्रधान रणसिंह श्योराण ने प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए घोषणा की कि सेवानिवृत्त कर्मियों की लंबित मांगों को लेकर 20 मई को नए बस स्टैंड पर सुबह 10 बजे महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। बैठक में सरकार की वादा खिलाफी के खिलाफ आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। श्योराण ने कड़े शब्दों में कहा कि सरकार समय-समय पर संगठन की मांगों को मानने का आश्वासन तो देती रही है, लेकिन धरातल पर आज तक एक भी मांग पूरी नहीं की गई है, जिससे प्रदेश भर के बुजुर्ग पूर्व कर्मचारियों में भारी रोष है।

प्रधान रणसिंह ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल द्वारा की गई घोषणाओं की याद दिलाते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि 65 वर्ष, 70 वर्ष और 75 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पेंशनभोगियों की बेसिक पेंशन में क्रमशः 5 प्रतिशत, 10 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी तुरंत लागू की जाए। बढ़ती महंगाई व बुढ़ापे की स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए मेडिकल भत्ते को एक हजार रुपये से बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रति माह किया जाए। वर्ष में कम से कम एक बार हर रिटायर्ड कर्मचारी का पूर्णतः फ्री मेडिकल चेकअप सरकारी स्तर पर करवाया जाए। वर्ष 2018 में घोषित कैशलेस मेडिकल सुविधा को बिना किसी जटिल शर्त के पूरी तरह लागू किया जाए। कर्मियों के 18 महीने के टीए और डीए का बकाया भुगतान तुरंत जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में खुद तत्कालीन मुख्यमंत्री ने घोषणाएं की थी जो आज तक ठंडे बस्ते में हैं।

भीम स्टेडियम में 28 से बैडमिंटन महाकुंभ होगा शुरू, फिटनेस को परखने का मौका

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

■ अंडर-11, 13, 15, 17 व अंडर-19 की लड़के एवं लड़कियां दिखाएंगे दम

खेलनगरी के नाम से विख्यात भिवानी अब खेल जगत में एक और नया अध्याय लिखने को तैयार है। भीम स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हॉल में 28 से 31 मई तक जिला स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन होगा, इसे बैडमिंटन का महाकुंभ माना जा रहा है, जहां बच्चों से लेकर बुजुर्ग, हर आयुवर्ग के खिलाड़ी अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। चैंपियनशिप का आयोजन भिवानी बैडमिंटन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा किया जा रहा है।

आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले में बैडमिंटन के प्रति युवाओं के उत्साह को बढ़ाना एवं उन्हें पेशेवर मंच प्रदान करना है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार चैंपियनशिप न केवल खिलाड़ियों की फिटनेस को परखने का माध्यम बनेगी, बल्कि उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए भी तैयार करेगी। एसोसिएशन के प्रधान सुरेश गुप्ता और सचिव सतविंदर सिंह ने प्रतियोगिता की जानकारी सांझा करते हुए बताया कि आयोजन को समावेशी बनाया गया है। चैंपियनशिप में जूनियर वर्ग में अंडर-11, 13, 15, 17 व अंडर-19 की लड़के एवं लड़कियां भाग लेंगे तथा ओपन वर्ग में पुरुष एवं महिला वर्ग के मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि खेल के प्रति जुनून को कायम रखने के लिए 35 से अधिक आयु वर्ष से लेकर 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग तक के दिग्गजों के लिए सिंगल और डबल्स इवेंट होंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता की एंट्री फीस के सिंगल इवेंट के लिए एक हजार रूपये और डबल्स के लिए दो हजार रूपये निर्धारित की है।

नेशनल चैंपियनशिप में पिंजोखरा के दो धावकों ने स्वर्ण पदक और एक ने जीता रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

■ सरपंच प्रतिनिधि अंकित लांबा ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

उत्तराखंड के हरिद्वार में गत 16 व 17 मई को भारतीय खेल संघ द्वारा आयोजित 20वीं नेशनल चैंपियनशिप की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में गांव पिंजोखरा के दो लड़कों ने स्वर्ण पदक तथा एक लड़के ने रजत पदक हासिल कर गांव क्षेत्र तथा जिले का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है। सरपंच प्रतिनिधि अंकित लांबा ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उल्लेखनीय है कि गांव पिंजोखरा निवासी अनुज पुत्र नंदकिशोर ने 20वीं नेशनल चैंपियनशिप की अंडर-17 आयु वर्ग की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में अपने सभी प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को मात देते हुए गोल्ड मेडल जीता है तो गांव पिंजोखरा निवासी मोहित पुत्र संदीप ने 100 मीटर जूनियर दौड़ प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है वहीं मयंक पुत्र भागीरथ ने 100 मीटर जूनियर प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर अपने गांव क्षेत्र तथा जिले का नाम रोशन किया है। इन तीनों की कामयाबी में एनआइएस एथलेटिक्स कोच नरेश कुमार का अहम योगदान रहा है।

इस मौके पर पूर्व सरपंच रमेश लांबा, सरपंच प्रतिनिधि अंकित लांबा, मनदीप लांबा, गांव सरल के पूर्व सरपंच कृष्ण, विनोद सुरला, सोमवीर लांबा, नंदकिशोर, साधु लांबा, ईश्वर नायक, संजय सुरला, संदीप नायक, दुलीचंद पंच, निहाल सिंह लांबा, नन्नू लांबा आदि सहित अनेक ग्रामीणों ने विजेता धावको को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भिवानी। कोर ग्रुप की बैठक में उपस्थित सांसद, विधायक व जिला अध्यक्ष।

प्रशिक्षण शिविर को लेकर भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

■ समालखा के पट्टी कल्याणम में 30-31 मई को प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा

समालखा के पट्टी कल्याणम में 30 और 31 मई को आयोजित होने वाले दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण शिविर को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को स्थानीय पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में भाजपा कोर ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रशिक्षण शिविर की रूपरेखा और दिशा-निर्देशों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक में भिवानी-महेंद्रगढ़ से लोकसभा सांसद चौ. धर्मवीर सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ, बवानीखेड़ा से विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, भाजपा जिला प्रभारी रेनू डाबला व पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने आगामी सांगठनिक ढांचे और 11 मुख्य सांगठनिक मुद्दों पर होने वाले प्रशिक्षण को लेकर अपने-अपने विचार व बयान साझा किए।

बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने की। सांसद चौ. धर्मवीर सिंह ने सांगठनिक मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि भाजपा केवल चुनाव लड़ने वाली मशीन नहीं, बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है। पट्टी कल्याणम में होने वाला यह शिविर हमारे कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर जागरूक करेगा। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कहा कि भिवानी जिले के सभी प्रमुख पदाधिकारी इस प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे हैं। रेस्ट हाउस में हुई इस बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि हमारे जिले से जाने वाला प्रतिनिधित्व पूरी तरह अनुशासित और सक्रिय रहे। विधायक घनश्याम सर्राफ व विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि कहा कि आज के दौर में राजनीतिक विमर्श को भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। इस शिविर में जिन 11 मुद्दों पर प्रशिक्षण दिया जाना है, उनमें लोक-कल्याणकारी नीतियां और सुशासन प्रमुख हैं।

जिला प्रभारी रेनू डाबला ने संगठनात्मक प्रबंधन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की रीढ़ उसका कार्यकर्ता होता है। 30-31 को होने वाले इस शिविर का प्रबंधन और एजेंडा बेहद आधुनिक और प्रासंगिक है। भिवानी कोर ग्रुप की बैठक में सभी नेताओं को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

झुलसा रही हैं तेज धूप और गर्म हवाएं, छोटे बच्चों को गर्मी में होती है ज्यादा परेशानी

बढ़ती गर्मी के चलते परिजनों ने विभाग से की बच्चों के लिए राहत की अपील

अभिभावक बोले- विभाग समय में करे बदलाव या स्कूलों में हो अवकाश घोषित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा क्षेत्र में लगातार बढ़ रही गर्मी और तेज धूप ने आमजन के साथ-साथ स्कूली बच्चों की परेशानियां भी बढ़ा दी हैं। सुबह से ही पड़ रही तेज गर्म हवाओं और दोपहर में बढ़ते तापमान के कारण अभिभावकों में चिंता का माहौल बना हुआ है। ऐसे में कई परिजनों ने शिक्षा विभाग और प्रशासन से बच्चों को राहत देने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि बढ़ती गर्मी में छोटे बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

लगातार हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी

अभिभावक महेंद्र कुमार ने कहा कि मौसम विभाग भी लगातार हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी कर रहा है। ऐसे में बच्चों की सेहत को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभिभावक चाहते हैं कि शिक्षा विभाग बच्चों के हित में जल्द कोई सकारात्मक निर्णय ले ताकि विद्यार्थियों को राहत मिल सके। ताकि बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव न पड़े। परिजनों की इस मांग को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है। टिकी हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त व्यवस्था नहीं

अभिभावकर रमन कुमार ने कहा कि स्कूल बसों और अन्य साधनों में भी बच्चों को गर्मी का सामना करना पड़ता है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल और छांव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि विभाग को स्कूलों में ठंडे पानी और प्राथमिक चिकित्सा की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

लगातार बढ़ रहा है तापमान लू जैसे हालात

अभिभावक रमेश कुमार ने कहा कि इन दिनों तापमान लगातार बढ़ रहा है। दोपहर के समय लू जैसे हालात बन जाते हैं, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। उन्होंने विभाग से अपील की कि स्कूलों के समय में बदलाव किया जाए ताकि बच्चों को तेज धूप से बचाया जा सके। वहीं उन्होंने विद्यालयों में भी गर्मी से बचाव के लिए विशेष प्रबंध करने की अपील की।

छुट्टियों पर भी विचार करें

संजय कुमार ने कहा कि छोटे बच्चे गर्मी को ज्यादा सहन नहीं कर पाते। कई बच्चों को सिर दर्द, थकान और चक्कर आने जैसी समस्याएं होने लगी हैं। उन्होंने मांग की कि प्रशासन बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उचित कदम उठाए और जरूरत पड़ने पर छुट्टियों पर भी विचार करे। ताकि नन्हें-मुन्ने बच्चों के शरीर पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े।

रोहतक, मंगलवार
19 मई 2026
हरिभूमि
सहेली

आज के दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में अपने आपको साबित कर रही हैं, अपनी पहचान बना रही हैं। लेकिन अभी भी कुछ ऐसे डर हैं, जो उन्हें आगे बढ़ने से रोकते हैं, उनके मानसिक स्वास्थ्य, करियर और व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करते हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है। महिलाएं किसी प्रकार के डर को कैसे काबू में रखें, इनसे कैसे उबरें, जानिए।

डर के आगे जीत है
महिलाएं अपने डर पर कैसे पाएं काबू

कवर स्टोरी
ललिता गोयल

एक महिला के रूप में हम जानते और समझते हैं कि तब कैसा महसूस होता है, जब आपकी हथेलियां पसीने से भीग जाती हैं, आपका दिल तेजी से धड़कने लगता है, एक डर महसूस करती हैं और तब आप बस यही सोचती हैं कि इससे कैसे बचा जाए? वहां से भाग लिया जाए या रुक कर स्थिति से लड़ा जाए? कुछ ऐसे डर जो महिलाओं को पीछे हटने और खुद को एक दायरे में सीमित कर लेने के लिए मजबूर करते हैं, इनको समझना जरूरी है।

अपने डर को पहचानें

महिलाएं प्रायः जिन डरों से घिरती हैं, इनसे छुटकारा पाने के तरीकों को जानने से पहले यह जानना-पहचानना जरूरी है कि कौन से डर हैं, जिनका अधिकांश महिलाएं अपने जीवन में सामना करती हैं।

अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का डर: यह वह स्थिति होती है, जब महिलाएं कुछ नया करने से डरती हैं, क्योंकि उन्हें असफलता का भय होता है, उन्हें लगता है कि अगर वे असफल हो गईं तो घर-परिवार के सदस्य उनका मजाक बनाएंगे। इसलिए वे कंफर्ट जोन में बनी रहती हैं, अपने विकास के रास्ते बंद कर लेती हैं।

अस्वीकृति का भय: यह वह स्थिति होती है, जब महिलाओं को लगता है कि वे जो करना चाहती हैं, उसके लिए उन्हें परिवार से स्वीकृति नहीं मिलेगी। इस 'नहीं' को सुनने के डर से वे कुछ भी करने से पीछे हट जाती हैं। महिलाएं सफलता पाने की तुलना में अस्वीकृति की संभावना को लेकर अधिक चिंतित रहती हैं।

गलत साबित होने का डर: यह वह स्थिति है, जब आत्मविश्वास की कमी के कारण महिलाएं खुद को अनभिज्ञ या अज्ञानी नहीं दिखाना चाहतीं और वे शिक्षित, अनुभवी होने के बावजूद खुद पर भरोसा करने से इनकार कर देती हैं, अपनी राय व्यक्त करने या अपने ज्ञान और अनुभव को शेयर करने से इनकार कर देती हैं।

उपहास उड़ाए जाने का डर: यह वह स्थिति है, जब आप इस बात से डरती हैं कि लोग आपके बारे में क्या कहेंगे, उपहास उड़ाएंगे, मूर्ख कहेंगे, आपको समाज द्वारा जज किए जाने का डर होता है। यह डर महिलाओं को अपनी बात खुलकर रखने से रोकता है। भले ही वे जानती हैं कि वे सही हैं।

शारीरिक इमेज का डर: कुछ महिलाएं अपनी शारीरिक बनावट को लेकर भी असुरक्षित महसूस करती हैं। कुछ को हीनता का बोध भी हो सकता है। उनके लिए डर का सामना करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

डर से कैसे उबरें

सवाल यह है महिलाएं किसी प्रकार के डर से कैसे उबरें? यहां बता रहे हैं ऐसे कुछ आसान तरीके, जो रोजमर्रा के डर और घबराहट से लड़ने में मदद करेंगे।

सपोर्ट सिस्टम बनाएं: ऐसे दोस्तों या परिवार के सदस्यों का नेटवर्क रखें, जिन पर आप भरोसा कर सकें। इससे डर कम होता है। अपने डर के बारे में किसी दोस्त, परिवार वाले या हेल्पलाइन से बात करें। अपनी बात शेयर करने से मन का बोझ हल्का होता है और डर छोटा लगने लगता है।

खुद से पूछें: खुद से पूछिए सबसे बुरा क्या हो सकता है? जब आप सबसे बुरी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हो जाती हैं, तो डर छोटा लगने लगता है।

आत्म-विश्वास और मानसिक मजबूती बढ़ाएं: जब भी डर लगे, अपनी पिछली सफलताओं और उपलब्धियों को याद करें। इससे आपको याद आएगा कि आप चुनौतियों से निपटने में सक्षम हैं।

थोड़ा ब्रेक लें: जब आप डरी हुए होती हैं, तो साफ-साफ सोचना मुश्किल होता है। ऐसे में खुद को शांत करने के लिए थोड़ा समय निकालें। 15 मिनट के लिए उस जगह से हट जाएं, कहीं टहलने चली जाएं, चाय पिएं या कोई मजेदार वीडियो देखें।

गहरी सांस से दूर होगी घबराहट: अगर डर की वजह से अचानक आपके दिल की धड़कन तेज हो जाए या आपकी हथेलियों में पसीना आने लगे, तो एक पल वहीं रुकें और उस अहसास को महसूस करें। पेट पर हाथ रखें और गहरी सांस लें। इससे आपका दिमाग घबराहट को झेलने को तैयार हो जाएगा।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलें: जिस चीज से डर लगता है, उसका थोड़ा-थोड़ा सामना करें। अगर बोलने से डर लगता है, तो छोटे ग्रुप्स में बोलना शुरू करें। यह एक्सपोजर थैरेपी की तरह काम करता है।

डर का सामना करें: डर से दूर भागने से वह और बढ़ता है। धीरे-धीरे उस चीज के संपर्क में आएं, जिससे आप डरती हैं। जैसे अगर आपको लिफ्ट या एस्केलेटर में जाने से डर लगता है, तो बार-बार इसे यूज करें। धीरे-धीरे आपका डर कम होने लगेगा।

शारीरिक लक्षणों को समझें: घबराहट में तेज धड़कन या सांस फूलना सामान्य है। यह शरीर का खुद को तैयार करने का एक तरीका है। यह समझें कि ये लक्षण खतरनाक नहीं हैं और थोड़ी देर में ठीक हो जाएंगे।

नेगेटिव सोच से दूरी: अपने आपसे तर्कपूर्ण सवाल पूछें। जैसे क्या वाकई लिफ्ट गिर जाएगी? या क्या सच में यहां कोई खतरा है? हकीकत को जानकर आप डर को कम कर सकती हैं।

परफेक्ट बनने की कोशिश न करें: यह सोचना छोड़ दें कि आपको हमेशा शांत रहना चाहिए या जिंदगी हमेशा अच्छी होनी चाहिए। जिंदगी थोड़ी उथल-पुथल भरी हो सकती है और यह बिल्कुल सामान्य है। खुद के साथ ज्यादा सख्ती न बरतें। एक अच्छी जगह की कल्पना करें। अपनी आंखें बंद करें और किसी ऐसी जगह या याद के बारे में सोचें, जहां आप सुरक्षित और खुश महसूस करती हैं, जैसे कोई समुद्र तट या बचपन की कोई खुशनुमा याद। लोग क्या कहेंगे की परवाह न करें। अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त करें और निर्णय लेने में निडर बनें। लोग क्या कहेंगे की परवाह किए बिना अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें और छोटे-छोटे कदम उठाकर नए प्रयोग करें।

अपनी सेहत का ख्याल रखें: अच्छा खाना खाएं और एक्टिव रहें। शराब या नशीली चीजों से दूर रहें, क्योंकि ये घबराहट को और ज्यादा बढ़ा देती हैं। अच्छी नींद और सेहतमंद जीवनशैली मन को मजबूत बनाती है।

खुद को शाबाशी दें: जब भी आप अपने डर के बावजूद कुछ हासिल करें, तो खुद को कोई छोटा-सा तोहफा दें। जैसे- अपनी पसंद का खाना खाएं, कोई किताब खरीदें या कोई फिल्म देखें।

जरूरी सलाह: अगर आपका डर आपकी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत ज्यादा रुकावट डाल रहा है, तो डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह लेने में संकोच न करें। ❀

(लाइफ कोच डॉ. सुजाता से बातचीत पर आधारित)

जीवनसाथी से ऐसे बनाए रखें प्यार

दांपत्य जीवन में मिठास बनी रहे, इसके लिए जरूरी है पति-पत्नी के बीच हमेशा संवाद बना रहे। संवाद की निरंतरता दंपति को आपस में जोड़े रखती है, इससे रिश्ते गहरे बने रहते हैं। दांपत्य जीवन में हमेशा प्यार कैसे बना रहे, जानिए।

दांपत्य
स्नेहा सिंह

हम अकसर घर से ऑफिस के लिए निकलते समय अपने जीवनसाथी से बस यही कहते हैं, 'आने में देर हो जाएगी।', 'फोन करके परेशान मत करना।' या जीवनसाथी के कोई बात पूछने पर चिढ़ कर बोल देते हैं, 'बाद में बात करते हैं।' लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि घर से निकलते समय ऐसा रूखा व्यवहार जीवन साथी को कितना कचोटता होगा? आखिर हम घर से निकलते समय अपने जीवन साथी से प्यार के दो बोल क्यों नहीं बोल सकते, क्यों नहीं एक मुस्कराहट के साथ अपनी विदाई ले सकते हैं? दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहे, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है-

रिश्तों में हों मीठे संवाद: पति-पत्नी का रिश्ता केवल साथ रहने का नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव का रिश्ता भी होता है। इस रिश्ते की नींव मीठे संवाद पर टिकी होती है। जब दो लोग अपने मन की बातें खुलकर मधुरता के साथ करते हैं, एक-दूसरे की परेशानियां और छोटे-छोटे अनुभव साझा करते हैं, तब संबंध गहरे होते जाते हैं। लेकिन आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में दांपत्य जीवन में संवाद कम होता जा रहा है। लोग घंटों मोबाइल के साथ तो बिताते है, पर जीवनसाथी के साथ कुछ पल बैठकर बात नहीं करते। इसके अभाव में धीरे-धीरे दांपत्य रिश्तों में दूरी आ जाती है। कई बार पति-पत्नी एक ही घर में रहते हुए भी मानसिक रूप से बहुत दूर हो जाते हैं। वे केवल जिम्मेदारियां निभाते हैं, लेकिन भावनाओं को व्यक्त नहीं करते। ऐसे में रिश्ते बोझ लगने लगते हैं।

छोटी-छोटी बातें भी रखती हैं मायने: रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए हमेशा बड़े अवसरों या महंगे उपहारों की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी छोटी-छोटी बातें भी बहुत बड़ा असर छोड़ जाती हैं। सुबह घर से निकलते समय एक प्यारी सी मुस्कान, 'अपना ध्यान रखना' जैसा वाक्य या अचानक किया गया एक फोन कॉल या फिर शाम को साथ बैठकर एक कप चाय पी लेना, ये सब बातें रिश्तों में गर्माहट बनाए रखती हैं।

नाराजगी को कभी लंबा न खींचें: रिश्तों में मतभेद होना स्वाभाविक है। पति-पत्नी के बीच बहस, गुस्सा और शिकायतें पैदा होती रहती हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब लोग अहं में आकर बात करना बंद कर देते हैं। कई बार लोग लंबी चुप्पी साधे रहते हैं। कोई बातचीत के लिए पहल नहीं करना चाहता। दोनों अपने-अपने दिल में शिकायतें जमा किए रहते हैं। झगड़े के बाद भी लंबे समय तक चुप्पी सही नहीं है। जल्दी संवाद शुरू हो जाना चाहिए।

समय देना सबसे बड़ा उपहार: आज लोग अपने करियर, सोशल मीडिया और बाहरी दुनिया में बिजी रहते हैं, रिश्तों के लिए समय ही नहीं निकालते। लेकिन सच्चाई यह है कि किसी भी रिश्ते को जीवित रखने के लिए समय देना बहुत जरूरी है। जीवनसाथी को केवल आर्थिक सुविधाएं ही नहीं चाहिए होतीं, भावनात्मक साथ भी चाहिए होता है। कभी साथ टहलना, साथ खाना, बिना मोबाइल के बैठकर बातें करना, ये सब रिश्तों को जीवंत बनाए रखते हैं। यदि हम अपने सबसे करीबी व्यक्ति के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं, तो यह हमारे रिश्ते के लिए खतरे की घंटी है।

सीखें प्रेम को व्यक्त करना: बहुत से लोग अपने मन की भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते। वे प्रेम करते हैं, लेकिन जताते नहीं, जबकि रिश्तों में भावनाओं का खुलकर व्यक्त करना बहुत जरूरी है। कभी-कभी जीवनसाथी की तारीफ करना, उसकी मेहनत को सराहना या बस यह कहना कि 'तुम मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हो।' रिश्तों में नई ऊर्जा भर देता है। जीवन अनिश्चित है। हमें नहीं पता अगला पल कैसा होगा। इसलिए अपने जीवन साथी को यह अहसास कराते रहना चाहिए कि वे हमारे लिए कितने खास हैं। रिश्ते केवल साथ रहने से नहीं प्रेम, सम्मान, संवाद और समय देने से गहरे होते हैं। ❀

बच्चे और आप
शिखर चंद जैन

इन दिनों बच्चों की समर वैकेशन चल रही हैं। स्कूल जाना नहीं है, इसलिए बच्चों के पास काफी समय है। समर वैकेशन में बच्चे क्या खास कर सकते हैं, कैसे अपने समय का सदुपयोग करें, पैरेंट्स के लिए बहुत ही उपयोगी सलाह।

यूं ही न बीत जाएं
बच्चों की समर वैकेशन

गर्मी की छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं। बच्चों के लिए मौज-मस्ती और धमाचौकड़ी का अच्छा मौका है। एक सी रुटीन लाइफ के बाद थोड़ा-सा वक्त कुछ अलग तरह से बीतना भी चाहिए। लेकिन ये लंबी छुट्टियां सिर्फ वक्त की बर्बादी साबित न हों, इसका ध्यान रखना जरूरी है। मजे-मजे में बच्चों को कुछ नई स्किल्स भी सिखा दें, ये जिंदगी भर उनके काम आएंगी।

म्यूजिक सिखाएं: म्यूजिक सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, इससे मानसिक विकास भी होता है। कुछ अध्ययनों की मानें तो म्यूजिक सीखने वाले बच्चों की लर्निंग कैपेसिटी और गणित का ज्ञान दूसरों की तुलना में अधिक हो सकता है। इसलिए अपने बच्चे को म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट जैसे वाइलिन, पियानो, हारमोनियम या गिटार बजाना सिखाएं। यह स्किल उसके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी।

सिखाएं कुकिंग की एबीसीडी: कुकिंग एक महत्वपूर्ण लाइफ स्किल है, जो किसी स्कूल में नहीं सिखाई जाती। इससे बच्चों को न सिर्फ तरह-तरह के प्रयोग करने का मौका मिलता है, कुछ नया बनाने पर सृजन-सुख भी मिलता है। जो बच्चे खुद कुछ, बनाना सीख जाते हैं, उन्हें हेल्दी फूड और नुकसानदायक खाद्य-पदार्थों के बीच अंतर आसानी से समझ में आ जाता है। उम्र के मुताबिक बच्चों का सब्जी, फल आदि काटकर सलाद बनाना, उनकी ड्रेसिंग करना, सैंडविच, जूस आदि बनाना सिखाएं। वे स्वयं भी कुकिंग करके एंज्वॉय करेंगे।

न्यूजपेपर-मैगजीन से टास्क दें: बच्चों को कोर्स की किताबों से इतर भी कुछ टास्क दें। पत्रिकाओं और अखबारों के कलरफुल सप्लीमेंट्स में छपी आकर्षक तस्वीरें काटकर उनके बारे में कुछ लिखने को कहें, साथ ही अपनी स्पेशल स्क्रैप बुक बनाने को कहें। नए शब्द और उनके अर्थ डायरी में लिखने और वाक्यों में उनका प्रयोग करना सिखाएं। रेखाचित्रों में कलर करने को कहें और अलग-अलग जगह छपे कुछ चित्रों में तालमेल बैठाकर उन पर छोटी-छोटी कहानियां या कविताएं लिखने का टास्क दें। यह काम उनकी क्रिएटिविटी को बढ़ाएगा।

स्विमिंग सिखाएं: गर्मी के मौसम में पानी में खेलना-कूदना बच्चों को खूब भाता है। समर वैकेशन अच्छा मौका है, जब वे मौज-मस्ती के साथ-साथ एक नई स्किल भी सीख लेंगे। स्विमिंग सिर्फ मनोरंजन का ही बेहतरीन साधन नहीं है, इससे बच्चों की एक्सरसाइज भी होगी और शारीरिक-मानसिक विकास भी होगा। यह एक लाइफ सेविंग स्किल भी है, जो मुसीबत के वक्त बच्चे के खूब काम आ सकती है। जरूरत पड़ने पर वह न सिर्फ खुद की बल्कि किसी दूसरे व्यक्ति की भी जान बचा सकता है।

सिखाएं नई भाषा: समर वैकेशन का सदुपयोग करने के लिए बच्चों को एक नई भाषा सिखाना एक अच्छा आइडिया है। कई वैज्ञानिक शोधों के नतीजे बता चुके हैं कि एक से अधिक भाषा जानने वाले बच्चों की बौद्धिक क्षमता दूसरे बच्चों की तुलना में कहीं अधिक होती है। सिर्फ यही नहीं, एक से ज्यादा भाषाओं का ज्ञान आगे चलकर बच्चे के करियर के लिए भी प्लस प्वॉइंट बन सकता है। जितनी अधिक भाषाओं का ज्ञान होगा, उसके ज्ञान का उतना ही विस्तार होगा और विदेश जाने की राह भी आसान होगी।

कंप्यूटर पर वर्क करना सिखाएं: आज की टेकसेवी दुनिया में बच्चे को कंप्यूटर का गहरा ज्ञान होना जरूरी है। गर्मी की छुट्टियों में बच्चे को कंप्यूटर पर हिंदी या अंग्रेजी टाइपिंग की प्रैक्टिस, फोटोशॉप, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस या इससे जुड़ी अन्य बारीकियां सिखाने के लिए किसी कोचिंग सेंटर भेजें। आपको यह सब आता हो तो आप खुद बच्चे को यह सब सिखाएं। ❀

ये भी हैं अच्छे ऑप्शन

- बच्चे को आउटडोर गेम्स खेलने के लिए प्रेरित करें।
- रोज एक्सरसाइज करने को कहें।
- मॉर्निंग या इवनिंग वॉक के लिए कहें।
- गार्डीनंग के काम में बच्चों की मदद लें, उन्हें विभिन्न फूलों, पत्तियों और वनस्पतियों की जानकारी दें।

हेयर स्टाइल
नैंसी गुप्ता

बहुत ईजी हैं ये हेयर स्टाइल
कम समय में पाएं परफेक्ट लुक

गर्मी के मौसम में बालों को संभालना आसान नहीं होता है। पसीना, धूल और उमस के कारण बाल चिपचिपे हो जाते हैं और उन्हें स्टाइल करना मुश्किल लगने लगता है। खासकर जब समय कम हो, तब जल्दी और आसान हेयर स्टाइल की जरूरत और भी बढ़ जाती है। ऐसे में कुछ स्मार्ट-सिंपल हेयर स्टाइल्स अपनाकर आप कम समय में भी परफेक्ट लुक पा सकती हैं।

सिंपल लो पोनीटेल: अगर आपके पास समय कम है, तो यह लो पोनीटेल सबसे आसानी से बनने वाला क्लासी हेयर स्टाइल है। इसे बनाने में कुछ मिनट लगते हैं और यह आपको एक साफ-सुथरा लुक देता है। आप इसमें हल्का सा ट्विस्ट या पफ जोड़कर अपने ओवरऑल लुक को और स्टाइलिश बना सकती हैं।

साइड ब्रेड हेयर स्टाइल: अगर आप कुछ अलग हेयर स्टाइल ट्राय करना चाहती हैं, तो साइड ब्रेड एक अच्छा विकल्प है। इसे बनाना आसान है और यह आपके लुक में एलिगेंस जोड़ता है। गर्मियों में यह बालों को उलझने से भी बचाता है।

हाफ पोनीटेल: हाफ पोनीटेल, उन महिलाओं के लिए बेहतरीन है, जो बालों को पूरी तरह बांधना नहीं चाहती हैं। इसमें आधे बालों को बांधकर बाकी को खुला रखा जाता है। खास बात यह है कि यह हेयर स्टाइल कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाता है और आपको फ्रेश लुक देता है।

क्लॉ क्लिप स्टाइल: बालों में क्लॉ क्लिप का इस्तेमाल आजकल काफी ट्रेंड में है। बालों को ट्विस्ट करके क्लॉ क्लिप से सेट करना एक मिनट का काम है और यह आपको स्टाइलिश लुक देता है। यह खासकर ऑफिस ड्रेसअप के साथ या कैजुअल आउटिंग के लिए परफेक्ट लगता है।

स्कार्फ के साथ फंकी स्टाइल: गर्मियों में स्कार्फ का इस्तेमाल स्टाइल बढ़ाने के लिए भी किया जा सकता है। आप पोनीटेल या बन के साथ स्कार्फ जोड़कर अपने लुक को और आकर्षक बना सकती हैं।

मैसी बन: मैसी बन, गर्मियों के लिए परफेक्ट हेयर स्टाइल माना जाता है। इसे बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं लगती और यह देखने में भी काफी ट्रेंडी लगता है। यह स्टाइल बालों को गर्दन से दूर रखता है, जिससे आपको गर्मी में राहत मिलती है।

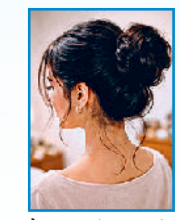

ब्रेडेड बन: अगर आप थोड़ा स्टाइलिश और फॉर्मल लुक चाहती हैं, तो ब्रेडेड बन ट्राय कर सकती हैं। इसमें पहले चोटी बनाकर उसे जूड़े में बदल दिया जाता है। यह स्टाइल लंबे समय तक टिकता है। ❀

(हेयर एक्सपर्ट नक्ष वर्मा से बातचीत पर आधारित)

प्रिकॉशन
निकिता चौहान

वैसे तो हर मौसम में फिजिकल हाइजीन के प्रति अवेयर रहना जरूरी है। लेकिन समर सीजन में इसके प्रति और भी अवेयर रहना चाहिए। इस सीजन में कैसे रखें हाइजीन का ध्यान, जानिए।

समर सीजन में ऐसे रखें हाइजीन का ध्यान

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं लेकर आता है, खासकर महिलाओं के लिए। अधिक तापमान, पसीना, नमी और बैक्टीरिया की वृद्धि के कारण त्वचा और निजी स्वच्छता से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में अपनी दैनिक दिनचर्या में कुछ जरूरी बदलाव करके समर हाइजीन का विशेष ध्यान रखना चाहिए, ताकि आप स्वस्थ-सुरक्षित रह सकें।

करें प्रॉपर क्लीनिंग: गर्मी के मौसम में पसीना आने से सभी परेशान रहते हैं। इससे शरीर के संवेदनशील हिस्सों (इंटरनल ज्वाइंट्स और हमेशा कवर्ड रहने वाले एरिया) में बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए दिन में एक या दो बार स्नान करना जरूरी हो जाता है। खासकर जननांग क्षेत्र (इंटिमेट एरिया) की सफाई का विशेष ध्यान रखें। इस क्षेत्र को साफ और सूखा रखना बहुत जरूरी है। अत्यधिक केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचें और माइल्ड, पीएच-बैलेंस्ड क्लीनर का उपयोग करें।

कॉटन फैब्रिक ड्रेसेस: सही ड्रेस का चयन भी समर हाइजीन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गर्मी में कॉटन फैब्रिक वाले लूज ड्रेसेस पहनना बेहतर होता है, क्योंकि ये स्किन को सांस लेने देते हैं और पसीने को सोख लेते हैं। सिंथेटिक फैब्रिक वाले टाइट ड्रेसेस पहनने से पसीना जमा होता है, जिससे खुजली, रैशेज और संक्रमण हो सकता है।

पीरियड्स टाइम हाइजीन: इस मौसम में पीरियड्स के दौरान स्वच्छता का ध्यान रखना और भी जरूरी हो जाता है। सेनेटरी पैड्स या टैंपोन को हर 4-6 घंटे में बदलना चाहिए। मेंस्ट्रुअल कप का उपयोग भी सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प हो सकता है, बशर्ते उसकी सही तरीके से सफाई की जाए।

हाइड्रेशन-डाइट: शरीर की आंतरिक सफाई के लिए हाइड्रेशन और डाइट भी काफी महत्वपूर्ण है। अधिक पानी पीना शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है और स्किन को हेल्दी बनाए रखता है। इसके लिए नारियल पानी, छाछ और ताजे फलों का सेवन करें। तला-भुना और अत्यधिक मसालेदार भोजन कम खाएं, क्योंकि यह शरीर में गर्मी बढ़ा सकता है।

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन: गर्मी के मौसम में ध्यान ना देने पर महिलाओं में यूटीआई का होना भी कॉमन समस्या है। इसे रोकने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, यूरिन को लंबे समय तक रोककर न रखें और टॉयलेट जाने के बाद सफाई का सही तरीका अपनाएं। यदि जलन, दर्द या बार-बार यूरिन आने जैसी समस्या हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

फंगल इंफेक्शन: पसीने के कारण फंगल इंफेक्शन, घमौरियां और एलर्जी हो सकती हैं। जिन अंगों के आस-पास पसीना ज्यादा होता है, उस जगह को सूखा रखें और जरूरत पड़ने पर एंटी-फंगल पावडर या क्रीम का इस्तेमाल करें। बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी दवा न लें।

समर सीजन हाइजीन प्रिकॉशंस को नजरअंदाज करने से आगे चलकर कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए यहां बताई गई स्वच्छता आदतों को जरूर अपनाएं। ❀

(सीनियर ऑब्स्टेट्रिशियन और गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. मनन गुप्ता, दिल्ली से बातचीत पर आधारित)

जलघर रहेंगे खाली, गर्मी में पानी की होगी तंगहाली

नहीं हो पा रहा इनडेंट पूरा, जुई हुई बंद और सुंदर में बहेगा पानी

भिवानी। पानी की कमी के चलते जुई फीडर में कम बहता पानी।

■ जिले की नहरों के लिए सिचांई विभाग ने 2250 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की मांग भेजी थी, लेकिन पानी की कमी के चलते 1041 से ज्यादा पानी नहीं मिल पा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

गर्मी के मौसम में पानी को लेकर जबरदस्त किल्लत बनी है। जलघरों में ही नहीं, नहरी पानी को लेकर भी खूब मारामारी है। तमाम प्रयासों के बावजूद नहरी पानी की स्थिति में कोई सुधार नहीं हो पा रहा है। जिले की नहरों के लिए सिचांई विभाग ने 2250 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की मांग भेजी थी, लेकिन पानी की कमी के चलते 1041 क्यूसेक से ज्यादा पानी नहीं मिल पाया है। जिस वजह से सिंचाई विभाग को सोमवार को जुई फीडर को बंद करके सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में कुछ पानी मिताथल फीडर में छोड़ा है। ताकि इन पर पड़ने वाले जलघरों के टैंकों को भरा जा सके। फिलहाल जुई पर पड़ने वाले कुछ जलघरों को भरा गया है। कुछ जगहों पर अभी टैंक खाली रह गए है। ऐसे में आने वाले समय में पीने के पानी की समस्या बनने के आसार बन गए है। जानकारी के अनुसार सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने जिले की नहरों के लिए साढे 22 सौ क्यूसेक पानी छोड़े जाने की मांग भेजी थी,लेकिन सप्ताह खतम होने को आया,लेकिन अभी तक 11 सौ क्यूसेक से ज्यादा पानी नहीं मिल पाया है। फिलहाल सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में 941 तथा मिताथल में सौ क्यूसेक पानी बह रहा है। जुई फीडर को पूरी तरह से बंद कर दिया है।

जलघर रह गए खाली

मिताथल फीडर में कम पानी छोड़े जाने से इससे निकलने वाले सभी माइनरों के टेल निल हो गए है। मिताथल फीडर के अंतिम छोर तक भी पानी नहीं पहुंचा है। जिस वजह से अनेक जलघर खाली रह गए है। दूसरी तरफ सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने नहरों में पानी बढवाने को लेकर कई बार मांग भेजी,पर पानी नहीं बढ पाया है।

मानसिक विकास का माध्यम योग : डॉ. संजय

योग दिवस कार्यक्रम को लेकर जिलेभर में करवाया जा रहा योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, जिसके चलते जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर योगाभ्यास एवं प्राणायाम शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

सोमवार को भीम स्टेडियम में शारीरिक शिक्षकों के लिए शिविर आयोजित किया गया, जिसमें योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया गया। भीम स्टेडियम में आयोजित योग शिविर में जिला योग कोऑर्डिनेटर एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय वैद ने कहा कि योग व प्राणायाम बच्चों की लंबाई बढ़ाने, याददाश्त और एकाग्रता में सुधार करने तथा उन्हें शैक्षणिक तनाव से मुक्त रखने में बहुत मदद करता है। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक और मानसिक विकास का सुगम माध्यम है।

अनुलोम-विलोम का अभ्यास करवाया

आयुष विभाग से डॉ. निशा, योग सहायक गजानंद शास्त्री एवं कविता अहलावत ने शिक्षा विभाग शारीरिक शिक्षकों व आमजन को योग प्रोटोकॉल के तहत आने वाले सभी प्राणायाम और योगासन जैसे अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, शशांक आसन, ताड़ासन, भुजंगासन, ध्यान आदि का अभ्यास करवाया। योग प्रोटोकॉल सीखकर ये शारीरिक शिक्षक स्कूलों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देंगे। वहीं दूसरी ओर बवानीखेड़ा के विभिन्न स्कूलों में योगाभ्यास शिविर आयोजित किए गए।

गरीबों को उजाड़ना कौन सा विकास है :शैलजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

■ पीड़ितों के समर्थन में सता पक्ष नहीं तो विपक्ष को तो साथ आना पड़ेगा

कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री कुमारी शैलजा ने कहा कि बवानीखेड़ा प्रशासन व जनप्रतिनिधियों का तर्क है कि उक्त जगह पर पार्क व अन्य विकास कार्य प्रस्तावित हैं ,लेकिन हैरानी की बात यह है कि गरीब लोगों को उजाड़ना या उनके आशियाने छीन कर कोई कार्य करवाना कौन सा विकास कार्य है।

गरीबों के पुर्नवास का जिक्र नहीं,अगर जरूरत पड़ती तो इनको पहले नोटिस देकर किसी दूसरी जगह पर पुर्नवास दिलाया जाता। उनकी संतुष्टी होने के बाद ही कोई जरूरत होती कोई इस तरह की कार्रवाई हो सकती थी,लेकिन सतारूढ़ सरकार में न तो दिल है और ही दिमाग। सरकार के ईशारे पर गरीबों को तो बेघर कर दिया,पर उनके पुर्नवास को लेकर उनके कान पर जूं तक नहीं रेंगी है। वे सोमवार को बवानीखेड़ में जिन गरीब लोगों के मकान तोड़े गए है। उनसे बातचीत करने के बाद लोगों को संबोधित कर रही थी।

तीर्थ यात्रियों ने नांदेड़ साहिब के गुरुद्वारे में टेका माथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सिखों के पांचवें पवित्र तख्तों में से नांदेड़ साहिब गुरुद्वारे में पहुंचते ही जिला से गए श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है। तीर्थ यात्रियों ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्री योजना से ही वे सिखों के गुरु गोबिंद सिंह के पवित्र स्थल पर पहुंचे हैं। सरकार की इस योजना की जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है।

गोदावरी नदी के किनारे बसा शहर नांदेड़ हजूर साहिब सचखंड गुरुद्वारे के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। वर्ष 1708 में सिक्खों के दसवें तथा अंतिम गुरु गोविंद सिंह ने अपने प्रिय घोड़े दिलबाग के साथ अंतिम सांस ली थी। यह गुरुद्वारा उसी स्थान पर ही बनाया गया है। सरकार द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ यात्री योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से बुजुर्गों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाए जाते हैं, जिसमें पटना साहिब, अयोध्या भी दर्शन करवाए जा चुके हैं। अभी पांच मई को मुख्यमंत्री सैनी ने कुरुक्षेत्र से तथा 15 मई को सिरसा से दूसरी विशेष ट्रेन को नांदेड़ साहिब के लिए रवाना किया था।

जेबीडीएम कॉलेज में विशेष बच्चों के अभिभावकों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

गांव सरल स्थित जेबीडीएम कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन में विशेष बच्चों के अभिभावकों के लिए पेरेंट्स एम्पावरमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों को विशेष बच्चों की शिक्षा, देखभाल, पुनर्वास एवं सरकारी सुविधाओं के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों एवं कॉलेज स्टाफ ने अभिभावकों को विशेष बच्चों के मानसिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। साथ ही बच्चों के अधिकार, समावेशी शिक्षा, घर पर प्रशिक्षण तथा आत्मनिर्भर बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अभिभावकों ने भी अपनी समस्याएं एवं अनुभव साझा किए। कॉलेज प्रबंधक सुनील सुरा ने बताया कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समाज में दिव्यांग बच्चों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मौके पर कॉलेज स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

जीएम ने विद्यार्थियों से साधा संवाद

स्व. सचिन दलाल की स्मृति में सरकारी में वॉटर कूलर का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

स्व. सचिन दलाल की स्मृति में उनके परिवार द्वारा गांव घुसकानी स्थित वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए वाटर कूलर भेंट किया गया। इस अवसर पर मनदीप दलाल, संजय दलाल एवं रमेश दलाल अपने पूरे परिवार सहित उपस्थित रहे।

वाटर कूलर का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरियाणा रोडवेज महाप्रबंधक भारत परमार द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मी देवी ने की। कार्यक्रम का आयोजन शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू की देखरेख में किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में यशपाल सिंह, ब्लॉक समिति सदस्य धर्मराज, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप प्रजापति एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विद्यालय की छात्राओं एवं छात्रों के साथ भारत परमार द्वारा मन की बात कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने बच्चों से आत्मविश्वास, अनुशासन एवं लक्ष्य निर्धारण पर चर्चा की। भारत परमार ने विद्यार्थियों कहा कि विनोद पिंकू उनके बहुत अच्छे मित्र हैं और वे हर कार्य को पूरी निष्ठा एवं सकारात्मक सोच के साथ करते हैं। उनके द्वारा तिगड़ाना क्लस्टर पर शुरू की गई बदलाव की पाठशाला एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई ही जीवन में आगे बढ़ने का सबसे बड़ा माध्यम है।

सराहनीय कार्यः पिंकू

इस मौके पर शारीरिक शिक्षक विनोद सिंह पिंकू ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए विद्यालय में स्वच्छ पेयजल की समस्या के बारे में स्व. सचिन दलाल परिवार को अवगत करवाया गया था। दलाल परिवार ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए विद्यालय को वाटर कूलर भेंट कर एक सराहनीय कार्य किया है। पिंकू ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में किया गया यह दान स्व. सचिन दलाल को सच्ची श्रद्धांजलि है। बच्चे भगवान का रूप होते हैं और विद्यालय शिक्षा का मंदिर है, इसलिए इस प्रकार का कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है।वहीं स्व. सचिन दलाल परिवार की तरफ से सभी बच्चों को फल वितरित किए गए।

बीआर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले होनहारों को किया सम्मानित

तोशाम। बीआर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थिलोड में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के दसवीं कक्षा के परिणाम में 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले विधार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती माता की प्रतिमा के सामने द्वीप प्रज्ज्वलित कर की गई। विधालय के निदेशक धर्मबीर सिंह पिलानियां ने कहा कि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती। विधार्थी जीवन मे सभी को कड़ी मेहनत करनी चाहिए। विधार्थी जीवन मे की गई कड़ी मेहनत भविष्य को निखारती है। विधार्थी जीवन मेहनत करने के लिए है। इस कार्यक्रम में प्रिंसी, रौनक, आरजू, आशू, हिमानी, ज्योति, खुशी, लक्ष्मी, नीतू, पिंकी, राधिका, रोजी, नैतिक, संस्कार आदि विधार्थियों को पगड़ी व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विधालय के प्राचार्य सुभाष भौरियाँ, निर्मला पिलानियां, उमेंद सिंह, दिनेश, कविता, मंजू, सरिता, एकता, आशा आदि मौजूद थे।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन आज, बाढ़ड़ा से होगी सक्रिय भागीदारी

बाढ़ड़ा। नीट पेपर लीक, प्रदेश में एचपीएससी चयन प्रक्रिया में मनमानी, किसानों का बकाया मुआवजा, तेल एलपीजी मूल्यवृद्धि के विरोध में मंगलवार 19 मई को कांग्रेस पार्टी का जिला स्तरीय विरोध प्रदर्शन चरखी दादरी में होगा, जिसमें बाढ़ड़ा हलके से किसान व बेरोजगार बड़ी संख्या में भागीदारी करेंगे, ये बात पूर्व विधायक सोमवीर श्योराण ने जनसंपर्क अभियान में कार्यकर्ताओं के समक्ष कही। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अंतरराष्ट्रीय माहौल के नाम पर देश में जानबूझ कर महंगाई को बढ़ावा दे रही है। वहीं नीट पेपर लीक ने देशभर की प्रतिभाओं से खिलवाड़ किया है और जनहितों की रक्षा के लिए आज 19 मई को दादरी जिला मुख्यालय पर जोरदार रोष प्रदर्शन किया जाएगा।

पर्यवेक्षकों को दिए प्रगणकों से तेजी से कार्य करवाने के निर्देश

■ डीसी साहिल गुप्ता के निर्देश पर जिले भर के प्रत्येक ब्लॉक में आयोजित हुई कार्यशालाओं में पहुंचे चार्ज ऑफिसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

जनगणना-2027 के कार्य में तेजी लाने को लेकर डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिसर में कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में चार्ज ऑफिसरों ने जनगणना में नियुक्त सुपरवाइजर को अपने-अपने प्रगणकों से तेजी से काम लेने के निर्देश दिए।

वहीं दूसरी ओर डीसी के आदेशानुसार जिलेभर में प्रत्येक ब्लॉक में सुपरवाइजर व प्राचार्यों की कार्यशाला आयोजित कर उनको जरूरी निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि जनगणना-2027 तहत एक मई से मकानों की सूचीकरण का कार्य चल रहा है। जिला में गणना कार्य के लिए जिला में 2078 ब्लॉक बनाए गए हैं। एक ब्लॉक में 700 से 900 की जनसंख्या है, यानि करीब 150 से 200 मकान शामिल हैं। गणना कार्य के लिए जिला में करीब 2500 एन्यूमरेटर यानि प्रगणक लगाए गए हैं। 6 प्रगणक पर एक सुपरवाईजर लगाया गया है। ऐसे में करीब 600 सुपरवाइजर हैं। मकानों के सूचीकरण कार्य में तेजी लाने के लिए डीसी ने सख्त निर्देश जारी किए हैं, वहीं काम में कोताही बरतने वालों के खिलाफ सेंसस ऑफ इंडिया एक्ट-1948 तथा सेंसस रूल्स 1990 के तहत मुकदमा दर्ज करवाने की चेतावनी दी है।

अपने कार्य में तेजी लाने के साथ-साथ सभी

डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि प्रगणक अपने कार्य में तेजी लाने के साथ-साथ मकान सूचीकरण का कार्य सावधानी के साथ करें। सभी सुपरवाइजर फील्ड में जाकर प्रगणकों के कार्य का निरीक्षण करें। भारत सरकार के निर्देशानुसार सर्वे के दौरान आवश्यक जानकारी लेना जरूरी है। काम में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सेंसस ऑफ इंडिया एक्ट-1948 तथा सेंसस रूल्स 1990 के तहत मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा।

वैश्य स्कूल में दसवीं की मेरिट सूची में शामिल होनहारों और अभिभावकों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। मेधावियों के साथ स्कूल प्रबंधन कमेटी के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

वैश्य सीनियर सैकण्डरी स्कूल भिवानी का 10वीं कक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। जिसमें हमारे विद्यालय के 19 विद्यार्थियों ने मेरिट प्राप्त की तथा 14 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा पास की। आज विद्यालय में कक्षा 12वीं तथा 10वीं में मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. पवनकुमार बुवानीवाला अध्यक्ष प्रबन्धसमिति, देवराज तोशामिया उपाध्यक्ष प्रबन्ध व समिति, विजयकिशन जी अग्रवाल महासचिव प्रबन्ध-समिति, महेश गर्ग सी-ई-ओ. एवं सीमा गुप्ता प्राचार्या उपस्थित थे। महेश गर्ग सी-ई-ओ-ने आए हुए अतिथि महानुभावों का स्वागत किया और अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। इसके लिए उन्होंने सभी छात्रों,उनके अभिभावकों एवं अध्यापकों को बधाई दी। इसी कड़ी में डॉ. पवन कुमार बुवानीवाला ने कहा कि विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के प्रयास करने चाहिए जिससे भविष्य में स्कूल तथा समाज का नाम रोशन हो सके। देवराज तोशामिया ने कहा कि बच्चों की बहुत बढ़िया मेहनत का परिणाम ही रिजल्ट है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इसी प्रकार खूब मेहनत करें जिससे वे अपने जीवन में सफलता हासिल कर सकें। विजयकिशन अग्रवाल ने शत- प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त होने पर बच्चों,अध्यापकों एवं अभिभावकों की सराहना की।

11 माह से बंद पड़े श्रम पोर्टल के विरोध में होगा बड़ा आंदोलन

■ तीन जून को निर्माण मजदूर करेंगे महापंचायत, गांवों में फूकेंगे सरकार के पुतले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। किसान भवन में श्रमिकों की बैठक में चर्चा करते पदाधिकारी व सदस्य।

सर छोटूराम किसान भवन में भवन निर्माण कामगार यूनियन सीटू के नेतृत्व में निर्माण मजदूरों की बैठक हुई और आंदोलन को राज्य स्तर पर बढ़ाने का फैसला लिया। बैठक में आगामी तीन जून को निर्माण मजदूर राज्य स्तरीय महापंचायत करके 11 महीनों से बंद पड़े श्रम पोर्टल के विरोध में होगा बड़ा आंदोलन शुरु कर प्रत्येक गांव में सरकार के पुतले फूंकने का फैसला लिया जाएगा। बैठक की प्रधानता जिला संयोजक सुमेर धारणी ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के राज्य महासचिव सुखबीर सिंह ने कहा कि 11 माह से बंद पड़े श्रम पोर्टल के कारण मजदूरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा और मजदूरों में गहरा रोष व्याप्त हैं। सरकार द्वारा श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं किए जाने पर तीन जून को बाढ़ड़ा में विशाल निर्माण मजदूर महापंचायत होगी।

कन्या स्कूल में ब्राइडल एवं पार्टी मेकअप का दिया प्रायोगिक प्रशिक्षण

छात्राओं को आधुनिक हेयर स्टाइलिंग के दिए टिप्स

■ प्रशिक्षण छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं रोजगार के अवसर देने में सहायक : सीमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। प्राचार्या सीमा कुमारी व शिक्षिकाओं के साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण में तैयार की गई छात्रा।

गांव दिनोद के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अंतर्गत ब्यूटी एंड वैलनेस विषय की ओर से छात्राओं को ब्राइडल मेकअप एवं पार्टी मेकअप का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। इस गतिविधि में छात्राओं को आधुनिक मेकअप तकनीकों, स्कीन प्रीप्रेशन, हेयर स्टाइलिंग, ब्राइडल एवं पार्टी लुक तैयार करने का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। प्राचार्या सीमा कुमार ने छात्राओं को प्रोत्साहित किया। स्कूल में ब्यूटी एंड वेलनेस शिक्षिका रुचिका ने छात्राओं को ब्राइडल मेकअप की बारीकियां सिखाई एवं प्रोफेशनल मेकअप स्किल्स की जानकारी दी। वहीं 12वीं कक्षा की नेहा ने पार्टी मेकअप कर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक क्षमता का परिचय दिया। प्राचार्या सीमा कुमारी ने गतिविधि की सराहना की और कहा कि व्यावसायिक गतिविधियां छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं रोजगार के नए अवसर प्रदान करने में सहायक होती हैं।

स्वरोजगार के तौर पर ब्यूटी पार्लर विशेष क्षेत्र

छात्राएं खुद व परिवार की महिलाओं को श्रृंगार सकती हैं और आगे स्वरोजगार के रूप में भी इसे अपना सकती हैं। वहीं छात्राएं शादी विवाह व विशेष त्योहारों पर खुद एवं घर परिवार की महिलाओं का श्रृंगार एवं मेकअप कर स्कूल में प्रायोगिक प्रशिक्षण में हासिल की बारीकियों का लाभ उठा सकती हैं। प्राचार्या सीमा कुमारी ने कहा कि छात्राओं एवं महिलाओं के लिए स्वरोजगार के तौर पर ब्यूटी पार्लर व बुटीक विशेष क्षेत्र हैं, जहां वे घर या आसपास रहकर कार्य कर सकती हैं और अपने परिवार के संचालन में सहयोग कर सकती हैं।

खबर संक्षेप

डॉ. सुनैना ने ऑस्ट्रेलिया में बढ़ाया दादरी का मान

चरखी दादरी। दादरी विधानसभा क्षेत्र के गांव पैंतावास से जुड़े सांगवान परिवार की बहू डॉ. सुनैना सांगवान द्वारा ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय निशानेबाजी संस्था टारगेट पिस्टल ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रीय सचिव नियुक्त होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस उपलब्धि पर विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने डॉ. सुनैना सांगवान को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। विधायक ने कहा कि गांव पैंतावास की बहू ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र, प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। यह पूरे दादरी जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की बेटियां और बहुएं शिक्षा, खेल, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। डॉ. सुनैना सांगवान की यह उपलब्धि युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायक है। विधायक ने कहा कि मेहनत, प्रतिभा और लगन के दम पर हरियाणा की युवा शक्ति विश्व स्तर पर अपनी सफलता का परचम लहरा रही है।

नशीले पदार्थों की बिक्री को लेकर एसपी ने किया दौरा

चरखी दादरी। जिले में नशीले पदार्थों की बढ़ती बिक्री, संदिग्ध गतिविधियों और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार ने गांव समसपुर का दौरा कर गांव की प्रत्येक गली, चौक और मुख्य मार्ग का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों के साथ बैठक कर सुरक्षा एवं नशामुक्ति को लेकर विस्तृत चर्चा की। पुलिस अधीक्षक ने गांव में बढ़ती नशे की समस्या और संदिग्ध गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए तुरंत प्रभाव से गांव में ईवीआर , राइडर और अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती के आदेश जारी किए। उन्होंने गांव के प्रवेश और निकास मार्गों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश देते हुए कहा कि गांव में आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखी जाए।

पक्के कर्मचारी एवं 26000 रुपये न्यूनत्तम वेतन लागू करने की उठाई मांग

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन ने दिया धरना, जताया कड़ा विरोध

- कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप जोगी ने ग्रामीण सफाई कर्मियों के धरने को दिया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पक्का कर्मचारी घोषित करने व 26000 रुपये न्यूनत्तम वेतन लागू करने की मांग को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन संबंधित सीटू के आह्वान पर 15 मई से चल रहे ग्रामीण सफाई कर्मियों की हड़ताल सोमवार को चौथे दिन भी जारी रही। हड़ताल के चौथे दिन ग्रामीण सफाई कर्मियों के धरने को कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी समर्थन देने पहुंचे और उनकी आवाज को बुलंद करने का वादा किया और कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में साथ निभाने का वादा किया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष जोगी ने कहा कि सरकार ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का शोषण कर उन्हे प्रताड़ित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। हरियाणा में कर्मचारियों का असंतोष और सरकार के खिलाफ आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। उल्लेखनीय हैं कि ग्रामीण सफाई कर्मियों की हड़ताल व रोष सभा की अध्यक्षता यूनियन नेता सुमित ने की तथा संचालन प्रदीप लोहनी ने किया। रोष सभा व हड़ताल को संबोधित करते हुए सीटू व यूनियन नेताओं ने बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के चलते महंगाई आसमान छू रही है। महंगी शिक्षा व स्वास्थ्य आमजन की कमर तोड़ दी है। भाजपा सरकार ग्रामीण सफाईकर्मियों का भारी शोषण कर रही है। यूनियन ने सरकार से एक्सग्रेसिया स्कीम बहाल करने व 400 की आबादी पर स्थायी कर्मचारी की भर्ती करने की मांग उठाई।

भिवानी। हड़ताल पर बैठे ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को समर्थन देने पहुंचे कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी। *फोटो : हरिभूमि*

कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

सोमवार को आंदोलनकारी कर्मचारियों का हौसला बढ़ाने और उनकी मांगों का समर्थन करने कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी विशेष रूप से धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सूबे की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा और उसे धरातल पर कर्मचारी विरोधी करार दिया। धरनास्थल पर कर्मियों की गूंजती नारेबाजी के बीच कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने सरकार की नीतियों को आड़े हाथों लिया।

बाढ़ड़ा। बीडीपीओ कार्यालय के समक्ष संचालित धरने पर नारेबाजी करते सफाई कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

नरवाना में कैबिनेट मंत्री बेदी के आवास पर 24 को डालेंगे महापड़ाव

- ग्रामीण सफाई कर्मियों का धरना तीसरे दिन भी जारी, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

बाढ़ड़ा। उपमंडल के सफाई कर्मियों ने प्रदेश सरकार द्वारा बार बार बढाए वेतन को लागू नहीं करने के विरोध में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय के समक्ष तीसरे दिन भी लगातार धरना प्रदर्शन जारी रखा तथा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि आगामी 20 मई तक खंड कार्यालयों पर रोष अभियान व 24 व 25 मई को प्रदेशभर के सभी कर्मचारी नरवाना में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी के आवास पर महापड़ाव डालेंगे। हरियाणा ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के धरने पर मौजूद कर्मियों को संबोधित करते हुए सीटू नेता सूमेर सिंह ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार श्रम कानूनों के नाम पर बड़ा बजट तो आवंटित कर देती हैं, लेकिन वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों को पच्चास फीसदी मानदेय पर जीवन बसर करना मजबूरी बन गया है। भाजपा सरकार एक तरफ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान की बात करती है, वहीं बड़े पूंजीपति घरानों के हितों में कार्य कर गरीब की आवाज दबाई जा रही हैं।

लोहारू। अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए ग्रामीण सफाई कर्मी व अन्य।

ग्रामीण सफाई कर्मियों ने हड़ताल, 20 तक बढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

ग्रामीण सफाई कर्मियों को पक्का करने व 26000 न्यूनतम वेतन व अन्य मांगो को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा द्वारा लोहारू में शुरू की गई दो दिवसीय हड़ताल को आगामी 20 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। सोमवार को भी ग्रामीण सफाई कर्मचारी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे और नारेबाजी की।

यूनियन खण्ड प्रधान संजय की अध्यक्षता में चल रही हड़ताल को 20 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। सोमवार को धरने का संचालन पवन ने किया। सर्व कर्मचारी संघ के खंड प्रधान डॉ सुरेश भारद्वाज ने कहा कि दलित हितैषी का दंभ भरने वाली सरकार दलितों का सबसे ज्यादा शोषण कर रही है।

प्रदेश के 11000 ग्रामीण सफाई कर्मचारी अपनी बकाया मांगो को लेकर आंदोलन कर रहे है मगर झूठे वायदे करने वाली सरकार ग्रामीण सफाई कर्मियों की सुध भी नहीं ले रही है।

ये रहे मौजूद

ग्रामीण सफाई कर्मचारी कच्चे सफाई कर्मियों को पक्का करने, उच्च न्यायालय आदेश को लागू करने, 400 की आबादी पर एक कर्मचारी की पक्की भर्ती, मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 26000 रुपये मासिक वेतन, वर्दी भत्ता, धुलाई भत्ता औजार भत्ता सहित अनेक मांगों को लेकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। धरने में मनोज, राजबीर, सूरजभान, रामअवतार, संतलाल, बिल्लू, ओमप्रकाश, सुनीता, परमेन्द्र, परमजीत, राजकुमार, अनिता, हरपाल, सन्नी कुमार, मुन्नी देवी, रामफल, ईश्वर सिंह, हवासिंह, सुरेश, हरपाल,पवन कुमार,सतबीर सिंह, भानाराम, कृष्ण, मीर सिंह, आदि अनेक ग्रामीण सफाई कर्मचारी मौजूद रहे। आज के धरना स्थल पर एडवोकेट अशोक आर्य, समाज सेवी विजय गुरावा, एडवोकेट कविता आर्य ने पहुंचकर अपना समर्थन दिया।

मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

बीआर शिक्षण संस्था द्वारा संचालित आईपीएस स्कूल बिरही कलां में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस समारोह में मेधावी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। कक्षा 12वीं में अंशु, उषा एवं निशा ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं कक्षा 10वीं में रितेश, निशा एवं नमन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय को गौरवान्वित किया। इसके अतिरिक्त 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर मेहनत कर नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय चेयरमैन ने इस शानदार परीक्षा परिणाम पर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समस्त स्टाफ सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कहा कि "सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि अनुशासन, मेहनत और निरंतर प्रयास से प्राप्त होती है।

चरखी दादरी। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों सम्मानित करते विद्यालय प्रबंधन।

बवानीखेड़ा विधायक ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

- विधायक ने प्रजापति धर्मशाला के मरम्मत, पेयजल व गली समस्या के समाधान का दिया आश्वासन
- जनता की सेवा और विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

क्षेत्र के चहुंमुखी विकास और जन-जन की समस्याओं के त्वरित निवारण के संकल्प के साथ बवानीखेड़ा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि गांव बडेसरा पहुंचे। गांव की चौपाल पर आयोजित एक विशेष जनसभा के दौरान विधायक ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ ग्रामीण रामदिया मास्टर ने की। इस दौरान विधायक ने प्रजापति धर्मशाला में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी भी सराहनीय रही, जिन्होंने विधायक को मिट्टी का मटका देकर सम्मानित किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि आप लोगों ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, मैं उसे कभी कम नहीं होने दूंगा। गांव बडेसरा का विकास और यहां के नागरिकों को हर मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भिवानी। विधायक को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

मांगों पर दिया ध्यान

इस दौरान विधायक ने विशेष रूप से प्रजापति समाज की मांगों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने ग्रामीणों की मांग को स्वीकार करते हुए घोषणा की कि गांव की प्रजापति धर्मशाला की मरम्मत का कार्य बेहद जल्द शुरू करवाया जाएगा, ताकि समाज के लोगों को सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में कोई असुविधा न हो। इसके साथ ही उन्होंने धर्मशाला के सामने वाली मुख्य गली को भी नए सिरे से पक्का और सुदृढ़ बनवाने का ठोस आश्वासन दिया। विधायक की इस घोषणा के बाद से पूरे समाज और ग्रामीणों में खुशी की लहर है। गांव में लंबे समय से चली आ रही पेयजल की किल्लत पर बोलते हुए विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल हर नागरिक का अधिकार है।

समाधान शिविर की शिकायतों का प्राथमिकता से जल्द समाधान करें अधिकारी: डीडीपीओ

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में समाधान शिविर आयोजित हुआ, जिसमें डीडीपीओ सोमबीर कादयान ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। डीडीपीओ ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए। डीडीपीओ के समक्ष पूर्व पार्षद ईश्वर मान ने गांव मुंढ़ाल कलां के प्राइमरी स्कूल में सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने, चारदीवारी मरम्मत करवाने, मुंढाल के आसपास उचित जगह पर रेलवे स्टेशन बनवाने, सुभाष ने पेयजल पाइपलाइन लीकेज को ठीक करवाने, जगदीप कुमार ने बिजली लाइन को दुरुस्त करवाने, पुरुषोत्तम ने स्पोर्ट्स ग्रेडेशन सर्टिफिकेट बनवाने तथा राजेंद्र ने बकाया मजदूरी दिलवाने, बलवीर शर्मा ने पुलिस कार्रवाई करवाने, गांव मंढ़ाणा निवासी सतपाल ने खेत का नाला दुरुस्त करवाने, फ्रैंड्स कॉलोनी से रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन से रमेशचंद्र ने पेयजल व बिजली समस्या।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

समाधान शिविर जनता व प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

उपायुक्त डॉ मुनीश नागपाल एवं पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार पी ने लघु सचिवालय हाल में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं को सुना और तुरंत हल होने वाली नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया और बाकी बच्ची समस्याओं के समाधान के संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बन रहे हैं। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर के माध्यम से लोगों की शिकायतों का निदान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

सोमवार को उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल एवं पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार पी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित समाधान शिविर में शिकायतों के निपटान करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके। इन शिविर के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं।

चरखी दादरी। समाधान शिविर में समस्या सुनते उपायुक्त व एसपी।

मुख्यमंत्री ने की राजपूत धर्मशाला के लिए जमीन दिलवाने की घोषणा

भिवानी। अंबाला के शहजादपुर में शौर्य एवं स्वाभिमान के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप राज्य स्तरीय जयंती समारोह का आयोजन किया। समारोह आयोजक कृषिमंत्री श्याम सिंह राणा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सम्मुख मांगपत्र सौंपा, जिसमें बहुत सी मांगे रखी गई। हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा की मुख्य मांग राजपूत धर्मशाला के लिए कलेक्टर रेट पर जमीन दिलवाने की थी, जिसको मुख्यमंत्री ने मंजूर करने की घोषणा की। राजपूत धर्मशाला भिवानी में उपस्थित सभा के प्रधान डॉक्टर बृजपाल सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजपाल सिंह परमार, महासचिव कंवर सिंह, उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह तंवर. खजांची प्रेमसिंह तंवर, मुकेश सिंह एडवोकेट आदि ने किया सहयोग।

भिवानी। युवाओं को नशामुक्ति की शपथ दिलवाते रैडक्रॉस सचिव प्रदीप कुमार।

रेडक्रॉस भवन में युवाओं ने ली नशे के खिलाफ शपथ

- एकजुटता से टूटेगी नशे की चेन : सचिव प्रदीप

भिवानी। देश की युवा ऊर्जा को सही दिशा देने एवं समाज को खोखला कर रही नशे की बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए भिवानी में सराहनीय पहल की गई है। उपायुक्त एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सोमवार को रेडक्रॉस भवन में नशामुक्ति अभियान के तहत विशेष ई-शपथ कार्यक्रम और जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में पहुंचे युवाओं ने जीवन में कभी भी नशे को हाथ न लगाने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय नशा मांग न्यूनीकरण कार्ययोजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भिवानी रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव प्रदीप कुमार ने शिरकत की।

शिक्षा | पूर्व जिला पार्षद ने समाधान शिविर में उठाए रेलवे एवं शिक्षा व्यवस्था की बदहाली के मुद्दे

समाधान शिविर में पूर्व जिला पार्षद ने सौंपा मांगपत्र, रेलवे की लापरवाही एवं सरकारी स्कूलों की दुर्दशा पर भड़के

- झाड़ियों एवं गंदगी के बीच पढ़ने को मजबूर नौनिहाल, टूटी चारदीवारी व पशुओं का रहता जमावड़ा : मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

क्षेत्र की जनता की समस्याओं को लेकर पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान ने एक बार फिर मुखर होकर आवाज उठाई है। सोमवार को समाधान शिविर में उपायुक्त को सौंपे दो अलग-अलग मांगपत्रों में उन्होंने रेलवे अधिकारियों की लापरवाही और ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। मान ने सीधे तौर पर शासन-प्रशासन और सरकार को घेरते हुए इन समस्याओं के त्वरित निवारण की मांग की है।

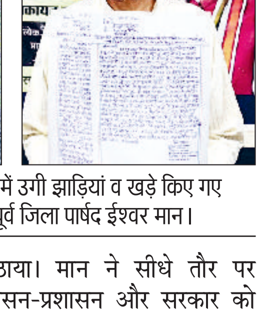

भिवानी। राजकीय प्राथमिक पाठशाला परिसर में उगी झाड़ियां व खड़े किए गए कृषि यंत्र व समाधान शिविर में मांगपत्र सौंपते पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान।

स्कूल सुरक्षा खतरे में

मान ने कहा कि स्कूल की चारदीवारी कई जगहों से टूट चुकी है, जिसका फायदा उठाकर स्कूल परिसर में बेसहारा पशु दिनभर घूमते रहते हैं, जिससे बच्चों के लिए हमेशा खतरा बना रहता है। कुछ पड़ोसी अपने पालतू पशुओं को स्कूल के अंदर बांध देते हैं और खेती-बाड़ी में काम आने वाले औजार जैसे ट्रॉली, घोड़ी, कल्टीवेटर आदि को स्कूल के अंदर खड़ा कर देते हैं। उन्होंने मांग की कि स्कूल प्रांगण की तुरंत मुकम्मल साफ-सफाई करवाई जाए।

रेलवे स्टेशन पर उठे सवाल

मान के अनुसार मुढ़ालकलां गांव में भिवानी-जींद रोड पर रेलवे ओवरब्रिज के पास 25 एकड़ पंचायती जमीन पर रेलवे स्टेशन प्रस्तावित था। स्टेशन वहां बनता तो मुढ़ालकलां, बांदाहेड़ी, मुढ़ालखुर्द, सुखपुरा, जताई, तालू, धनाना तिहाड़ा, धनाना, काल्यान, धनाना मिलवाण, बडेसरा, सिवाड़ा, पुर, सिंघवा, मदनहेड़ी व सीसर जैसे दर्जनों गांवों के लाखों लोगों को इसका सीधा लाभ मिलता। मान ने आरोप लगाया कि निजी स्वार्थ के चलते मुढ़ालकलां की जमीन पर स्टेशन न बनाकर उसे तीन-चार किलोमीटर दूर खेतों में मुढ़ाल खुर्द की जमीन पर बनाया। स्टेशन का नाम कागजों में मुढ़ालकलां लिखा, जबकि उसे ऐसी सुनसान एवं जंगली जगह पर बना दिया, जहां कोई आता-जाता ही नहीं है। इस गलत फैसले से लाखों लोगों की जिंदगी एवं उनके हकों पर पानी फेर दिया। मान ने कहा कि राजकीय प्राथमिक स्कूल प्रांगण में चारों तरफ बड़ी-बड़ी झाड़ियां, जंगली बबूल (कांबली कीकर) और गंदगी का अंबार लगा है, जिसकी वजह से मासूम बच्चों के पास खेलने तक की जगह नहीं बची है।